तकनीकी शिक्षा विभाग, हरियाणा

की

वर्ष 1977-78 की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट

मुद्रक :

नियंत्रक, यू. टी. प्रैस, चण्डीगढ़ ।

English version of the Review on the Annual Administrative Report of the Technical Education Department for the year 1977-78.

Technical Education Department, Haryana, is playing a vital role in the development of the State. There is one Engineering College at Kurukshetra for providing Technical Education of the Degree and High level and for the Engineering Education of the Diploma level there are 4 Govt. Polytechnics at Ambala City/Sirsa/Jhajjar and Nilokheri and two Private Polytechnics at Rohtak. In order to provide training in Modern Technical Education in the State, a YMCA Institute of Engineering based on sandwich pattern, is functioning at Faridabad. All types of cases concerning the Technical Education of Diploma level are disposed of by the Technical Education Board, Haryana.

In the year 1977 an interest-free loan of Rs. 4.50 lacs has been given to the students belonging to weaker section for their Technical Education. No tuition fee was charged from the students studying in Govt. Institutions and a sum of Rs. 1,44,986 was given to non-Govt. Institutions under students freeship. In addition, a sum of Rs. 1,62,826 has been given on the basis of merit-cum-means scholarship. Stipends to all the students belonging to Scheduled Castes/Scheduled tribes have been given in the shape of financial help by the Director, Social Welfare Department. The children/wards of armed personnel were given stipends by the Sailor & Soldier Board. During the year, an amount of Rs. 44.85 lacs was given to the Private Institution as grant-in-aid for meeting expenditure in connection with building, equipment and pay of the Lecturers and other staff etc.

To impart proper and modern training to the students, some Lecturers, Demonstrators etc. were sent for training to the Technical Teachers Training Institute, Chandigarh, established by Government of India. Book banks have been established in each Institution for the facility of the students and arrangements for the supply of stationery etc. to the students have been made on concessional rates.

Sarvshri I.C. Gupta, P.L.Gulati and S.R. Nayar worked as Director, Addl. Director and Asstt. Director-cum-Registrar, respectively.

It is ordered that the review be published for information regarding the development made by the Haryana State in the field of Technical Education.

K.K. SHARMA,

Commissioner and Secretary to Government,
Haryana, Technical Education Department.

तकनीकी शिक्षा विभाग, हरियाणा, की वर्ष 1977-78 की वार्षिक प्रशासनिक रिपोर्ट की समीक्षा

तकनीकी शिक्षा विभाग राज्य की प्रगति मे महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। डिग्री तथा उच्च स्तर की तकनीकी शिक्षा के लिए एक इजीनियरिंग कालेज कुरुक्षेत्र मे तथा डिप्लोमा स्तर की इंजीनियरिंग शिक्षा के लिए चार राजकीय बहुतकनीकी, अम्बाला शहर/सिरसा/झज्जर तथा नीलोखेडी मे और दो अराजकीय बहुतकनीकी सस्थायें रोहतक में है। राज्य में आधुनिक तकनीकी शिक्षा का प्रशिक्षण देने के लिए सैंडविच पैट्रन पर आधारित वाई. एम सी ए. इजीनियरिंग सस्था, फरीदाबाद में स्थापित है। डिप्लोमा स्तर की तकनीकी शिक्षा सम्बन्धी सभी प्रकार के मामले तकनीकी शिक्षा बोर्ड, हरियाणा, द्वारा निपटाये जाते है।

वर्ष 1977 मे तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के लिए कमजोर वर्ग के छात्रो को 4.50 लाख रुपये ब्याजरहित ऋण दिया गया है। राजकीय तकनीकी सस्थाओं मे छात्रों से ट्यूशन फीस नही ली गई तथा गैर-सरकारी सस्थाओ को 1,44,996 रुपये फ़ीशिप के अन्तर्गत दिए गए। इस के अतिरिक्त योग्य एव निर्धन छात्रो को 1,62,826 रुपये की छात्रवृत्तिया दी गईं। सभी अनुसूचित जातियो/कबीलो के छात्रो को आर्थिक सहायता के रूप मे निदेशक, समाज कल्याण विभाग, द्वारा छात्रवृत्तिया प्रदान की गईं। सैनिको के बच्चो/आश्रितो को सैनिक बोर्ड द्वारा छात्रवृत्तिया दी गईं। चालू वर्ष मे प्राईवेट सस्थाओ को भवन, साजो-सामान, तथा प्राध्यापको, दूसरे स्टाफ सदस्यो के वेतन इत्यादि पर होने वाले व्यय को सहन करने के लिए 44 85 लाख रुपये की राशि सहायता अनुदान के रूप मे दी गई।

छात्रो को उचित तथा आधुनिक प्रशिक्षण देने के लिए कुछ प्राध्यापकों, प्रदर्शको आदि को केन्द्रीय सरकार द्वारा स्थापित टैकनीकल टीचर्ज ट्रेनिंग इस्टीच्यूट, चण्डीगढ़ में ट्रेनिंग दिलवाई गई। छात्रो की सुविधा हेतु सभी तकनीकी सस्थाओं में बुक बैंक स्थापित किए गए तथा कम मूल्य पर स्टेशनरी, इत्यादि के लिए प्रबन्ध किए गए।

निदेशक, श्री आई.सी गुप्ता, अपर निदेशक श्री पी एल. गुलाटी तथा सहायक निदेशक श्री - एस. आर नैय्यर चालू वर्ष के दौरान कार्य करते रहे है।

हरियाणा राज्य मे तकनीकी शिक्षा क्षेत्र में हुई प्रगति की जानकारी के लिए आदेश दिया जाता है कि इस समीक्षा को प्रकाशित किया जाये।

के. के. शर्मा,
आयुक्त एवं सचिव, हरियाणा सरकार,
तकनीकी शिक्षा विभाग।

तकनीकी शिक्षा विभाग

वर्ष 1977-78 की प्रशासनिक रिपोर्ट की समालोचना

वर्ष 1977-78 के दौरान तकनीकी शिक्षा विभाग ने कार्य निष्पादन में निरन्तर सुधार दर्शाया। अम्बाला/सिरसा/झज्जर तथा नीलोखेडी मे चार सरकारी पौलीटैकनिक हैं और रोहतक मे दो गैर-सरकारी पौलीटैकनिक है। कुरुक्षेत्र में एक रिज़नल इंजीनियरिंग कालेज है। विभाग वाई एम. सी ए इंस्टीच्यूट आफ इंजीनियरिंग फरीदाबाद को भी 75% अनुदान देता है जहाँ प्रशिक्षण सैंडविच पैट्रन पर आधारित है।

विभाग ने रोहतक के वैश्य पौलीटैकनिक तथा सी आर पौलीटैकनिक का अनुदान 75% से बढ़ाकर 90% कर दिया, नये वर्ष से झज्जर मे सैंडविच पैट्रन पाठ्यक्रम शुरू करने के लिए कदम उठाए जा रहे है। नीलोखेडी मे इलैक्ट्रानिक्स और सचार में एक नया पाठ्यक्रम आरम्भ किया गया।

विभाग ने आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के विद्यार्थियो को 4.50 लाख रुपये का ब्याजरहित कर्ज भी वितरित किया है। सरकारी पौलीटैकनिक मे कोई शिक्षा शुल्क नही है। डिप्लोमा स्तर पर विभिन्न प्रकार के मामलो को निपटाने के लिए एक राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड है

रिपोर्ट

तकनीकी शिक्षा.—आजकल के आधुनिक युग मे तकनीकी शिक्षा का दूसरी वैज्ञानिक शिक्षाओं की तरह बहुत ही महत्व है। राज्य की प्रगति के लिए तकनीकी शिक्षा का महत्वपूर्ण योगदान है। हरियाणा राज्य में चार राजकीय बहुतकनीकी संस्थाए तथा दो अराजकीय तकनीकी संस्थायें डिप्लोमा स्तर की तकनीकी शिक्षा प्रदान करने के लिए है। यह संस्थाएं सिविल, यान्त्रिक, विद्युत तथा आटोमोबाईल इजीनियरग में तीन वर्ष की अवधि का प्रशिक्षण देती हैं तथा उत्तीर्ण छात्रो को डिप्लोमा दिये जाते है। उद्योगो की आवश्यकता को पूर्ण करने के लिए फरीदाबाद मे वाई. एम सी ए के नाम से तकनीकी सस्था है जिसमे छात्रो को चार वर्ष के लिए प्रशिक्षण दिया जाता है। इस सस्था के छात्रो को फरीदाबाद मे स्थित उद्योगो में कार्य करने हेतु विशेष एव पर्याप्त प्रशिक्षण दिया जाता है। एक रिजनल इजीनियरिंग कालेज, कुरुक्षेत्र में स्थित है। इस कालेज मे छात्रो को पाच वर्ष के लिए बी एस-सी. इजीनियरिंग तथा दो वर्ष के एम एस-सी इजीनियरिंग कोर्सिज की ट्रेनिंग दी जाती है।

2. तकनीकी शिक्षा विभाग की गतिविधियो को मुख्य रूप से प्रशासनिक व शिक्षा सम्बन्धी दो भागो मे बाटा गया है। विभाग का प्रशासन सुचारु रूप से चलाने के लिए निदेशालय तकनीकी शिक्षा है जिसके मुख्य कार्य इस प्रकार से है —

(i) (क) विभाग के प्रशासन सम्बन्धी मामलो का निपटान करना।

(ख) तकनीकी शिक्षा योजना को कार्यान्वित करना तथा योजना तथा आयोजना सम्बन्धी स्कीमो के लिए बजट तैयार करना तथा उन पर होने वाले व्यय की देखभाल करना।

(ग) अराजकीय बहुतकनीकियो की उपायुक्तता परखने के पश्चात् अनुदान देना।

(घ) सुपात्र विद्यार्थियो को ऋण तथा छात्रवृत्तिया देना।

(ङ) प्राध्यापको को आधुनिक प्रशिक्षण टैक्नीकल टीचर्ज ट्रेनिंग सस्था, चण्डीगढ़ में दिलवाने का प्रवन्ध करना।

(ii) शिक्षा सम्बन्धी मामलो के निपटाने हेतु तकनीकी शिक्षा बोर्ड राज्य सरकार द्वारा गठित किया हुआ है जिसके मुख्य कार्य इस प्रकार है —

(क) तकनीकी शिक्षा के विकास के लिए योजना बनाना।

(ख) डिप्लोमा/सर्टिफिकेट स्तर की परीक्षाए लेना तथा शिक्षा सम्बन्धित मामलो के निपटान के लिए नियमो को स्वीकृत करना।

3. राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड की सहायता के लिए निम्नलिखित कमेटियां है :—

1 **परीक्षा कमेटी**.—यह समिति परीक्षा सम्बन्धी प्रत्येक मामलो का निपटान करती है। वर्ष 1977-78 मे इस कमेटी की वैठके परीक्षा सम्बन्धी कार्य निपटाने हेतु की गई।

2 **सलेबस कमेटी**—यह कमेटी तकनीकी शिक्षा सस्थाओ का पाठ्यक्रम निर्धारित करने का कार्य करती है।

3 **एवेल्यूशन और एकरीडियेशन कमेटी**.—यह समिति राज्य तकनीकी शिक्षा बोर्ड से सम्बन्धित सस्थाओ का निरीक्षण करने के लिए स्थापित है। यह कमेटी प्रत्येक संस्था मे निर्धारित साजो-सामान, भवन तथा स्टाफ इत्यादि का निरीक्षण करती है।

4 **प्रवेश**—हरियाणा राज्य की सस्थाओ मे छात्रो को प्रवेश बिल्कुल योग्यता के आधार पर दिया जाता है। राजकीय तकनीकी सस्थाओ की प्रवेश क्षमता मे से 141 स्थान अनुसूचित जातियो/कबीलो के लिए, 14 स्थान पिछड़े वर्ग के लिए, 43 स्थान हरियाणा राज्य के पिछडे क्षेत्र के लोगो के लिए आरक्षित है। प्रत्येक राजकीय तकनीकी सस्थाओ मे छात्रो को डिप्लोमा कोर्सिज मे प्रवेश क्षमता, वास्तविक दाखला तथा सस्था मे प्रशिक्षण पाने वाले कुल छात्रों का ब्योरा अनुबन्ध "क", "ख" तथा "ग" मे दिया गया है।

तकनीकी सस्थाओ के कोर्सिज, अवधि तथा प्रवेश के लिए निर्धारित योग्यताएं इस प्रकार से है :—

रिजनल इंजीनियरिंग कालेज, कुरुक्षेत्र

(क) कोर्सिज और अवधि—

सिविल, इलैक्ट्रीकल तथा मकैनिकल इंजीनियरिंग की शाखाओ मे निम्नलिखित दो वर्ष की अवधि के एम एस-सी इंजीनियरिंग डिग्री स्तर के कोर्सिज पढाये जाते है :—

(i) Soil Mechanics and Foundation with emphasis an Gectechnology.
(ii) Structural Engg. with emphasis on Constructional techniques.
(iii) Advance Electronics, Control System.
(iv) Electrical power
(v) Design of Machines with emphasis on Production Engineering.

न्यूनतम दाखिले हेतु योग्यताएं—

सम्बन्धित विषय मे बी एस-सी. इंजीनियरिंग की डिग्री कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी से या बराबर की योग्यता कम से कम 55 प्रतिशत कुल अंको के जोड़ से लेकर पास हो।

(ख) **पोस्ट-ग्रेजूएट डिप्लोमा कोर्स—**

Post-Graduate Diploma Course in Scientific Instrumentation एक वर्ष की अवधि का है।

न्यूनतम दाखिले हेतु योग्यताएं—

कुरुक्षेत्र युनिवर्सिटी से बी एस-सी. इजीनियरिंग की डिग्री या बरावर की योग्यता कम से कम कुल अको मे से 55 प्रतिशत के साथ पास।

अथवा

कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय से फिजिक्स मे एम एस-सी या बरावर की योग्यता कम से कम 55 प्रतिशत अक के साथ पास।

(ग) **कोर्सिज और अवधि**

सिविल, मकैनीकल, इलैक्ट्रीकल तथा इलैक्ट्रोनिक्स एवं कम्यूनिकेशन इजीनियरिंग के डिग्री स्तर के कोर्सिज पाच वर्ष की अवधि के है।

न्यूनतम दाखिले के लिए योग्यताएं—

1. इगलिश विषय के साथ हायर सैकेण्डरी या प्री-युनिवर्सिटी या बरावर की परीक्षा पास अथवा प्री-इजीनियरिंग बी एस-सी पार्ट I पास कुरुक्षेत्र यूनिवर्सिटी से या बराबर की योग्यता।

2 कैमिस्ट्री, फिजिक्स, मैथेमैटिक्स तथा इगलिश विषयो के जोड मे से कम से कम 50 प्रतिशत अक।

(घ) **वाई. एम. सी. ए. इंजीनियरिंग संस्था, फरीदाबाद कोर्सिज और अवधि**

मशीन टूल ओप्रेशन तथा मैनटीनैन्स फैवरीकेशन, वैल्डिग तथा शीट मैटल टैक्नोलोजी, रेफरीजरेशन तथा एयर कडीशनिंग, इलैक्ट्रीकल मशीनज और अपलाईन्सेज, एलैक्ट्रोनिक्स इन्स्ट्रूमैन्टेशन और कण्ट्रोल सरकटस तथा रेडियो और टैलीवीजन के सभी कोर्स पोस्ट-डिप्लोमा स्तर पर चार वर्ष की अवधि के है।

न्यूनतम दाखिले के लिए योग्यताएं

मान्यता प्राप्त बोर्ड/यूनिवर्सिटी से हायर सैकण्डरी या इसके बराबर की योग्यता की परीक्षा इंगलिश, फिजिक्श, कैमिस्ट्री तथा मैथेमैटिक्श विषयो के साथ पास और कम से कम 45 प्रतिशत इन विषयो के जोड मे से अक प्राप्त हो।

अनुसूचित जातियो/कवीलो के लिए अको की शर्त कम से कम 40 प्रतिशत है।

कोर्सिज और अवधि

सिविल, इलैक्ट्रीकल, मैकेनीकल इजीनियरिंग डिप्लोमा कोर्सिज की अवधि तीन वर्ष है। राजकीय तकनीकी सस्था, अम्वाला शहर, में आटोमोवाईल इजीनियरिंग डिप्लोमा

कोर्स की सुविधा तथा हरियाणा बहुतकनीकी, नीलोखेड़ी मे इलैक्ट्रोनिक्स एवं टैलीकम्यूनिकेशन की उपलब्ध है ।

दाखले हेतु न्यूनतम योग्यताएं

दसवी या बराबर की परीक्षा द्वितीय श्रेणी साईस तथा मैथेमैटिकस विषयों के साथ कुल अको में से कम से कम 45 प्रतिशत के साथ पास अथवा हायर सैक्ण्डरी या बराबर की परीक्षा साईस तथा मैथेमैटिक्स विषयो के साथ कुल अको मे से 40 प्रतिशत के साथ पास अथवा प्री-इजीनियरिंग अथवा जूनियर तकनीकी स्कूल भाग I की परीक्षा पास अथवा आई. टी. आई. और मैट्रिक साईस तथा हिसाब के साथ ।

अनुसूचित जातियो/कबीलो, पिछडी श्रेणियो तथा सैनिको/भूतपूर्व सैनिको के बच्चों तथा आश्रितो के लिए योग्यता साईस तथा गणित विषयो के साथ केवल दसवी पास ।

5. **संस्थाओ का प्रबन्ध.**—प्रत्येक सस्था का प्रबन्ध चलाने हेतु प्रधानाचार्य तथा इसकी सहायता हेतु विभागाध्यक्ष और अन्य प्राध्यापक है। इन श्रेणियो के अधिकारियो तथा अन्य अमले का सस्थावार विवरण अनुबन्ध "घ" मे दिया गया है ।

6 **छात्रवृति एवं वृत्तिका.**—प्रत्येक राजकीय अराजकीय तकनीकी सस्था में निर्धारित प्रवेश क्षमता के 15 विद्यार्थियो को 50 रुपए प्रति मास की दर से मैरिट-कम-मीन्ज के आधार पर छात्रवृत्ति दी जाती है । वर्ष 1977–78 मे राजकीय/अराजकीय बहुतनीकी संस्थाओ मे पढ़ने वाले छात्रो को 1,62,826 रुपए छात्रवृत्ति के रूप मे प्रदान किये गये ।

7. **शिक्षा सम्बन्धी ब्याजरहित ऋण.**—यह ऋण कमजोर वर्ग के उन छात्रो को दिया जाता हे जिस के माता-पिता की मासिक आय 500 रुपए से कम हो। सरकारी कर्मचारियो के लिए यह 750 रुपए प्रति मास है। वर्ष 1977–78 मे भिन्न-भिन्न तकनीकी सस्थाओ के विद्यार्थियो को कुल 4 48 लाख रुपए का ऋण दिया गया ।

8. **बजट व्यवस्था.**— वर्ष 1977–78 मे तकनीकी शिक्षा योजना तथा आयोजना स्कीमो (प्लान व नान-प्लान) के लिए बजट व्यवस्था 1,22 50 लाख रुपए थी तथा वास्तविक खर्च 114 32 लाख रुपए था जिसका सस्थावार विवरण अनुबन्ध "च" पर दिया गया है। इस अनुबन्ध मे गैर-सरकारी सस्थाओ को वर्ष 1977–78 मे जो अनुदान की राशि प्रदान की गई उसका भी सस्था अनुसार ब्योरा दिया गया है।

9. **छात्रावास.**—प्रत्येक सस्था के भवन तथा छात्रावास आधुनिक ढग से बने हुए हैं । सस्थाओ के छात्रावासो मे सभी विद्यार्थियो के रहने के लिए पर्याप्त स्थान है जिन में अन्य सुविधाएं तथा भोजनालय है।

10. **खेलकूद के मैदान.**—प्रत्येक राजकीय सस्था के मैदान आधुनिक खेलों के अनुसार हैं। सस्थाओं में फुटबाल, बालीबाल, क्रिकेट, बैडमिंटन, व्यायाम, टेबल टैनिस तथा तैराकी, आदि खेलों का प्रबन्ध है और बहुतकनीकियों के लिए वार्षिक अन्तर बहुतकनीकी खेलकूद प्रतियोगिता मनाई जाती है जिसमें सभी संस्थाओं के खिलाड़ी भाग लेते हैं और विजयी टीमों तथा खिलाड़ियों को पारितोषिक वितरण किये जाते हैं।

11. **एन.सी.सी.**—प्रत्येक सस्था में कैडिटों के लिए स्थाई प्रशिक्षण का प्रवन्ध है। यह प्रशिक्षण एक सेना कर्मचारी तथा प्रशिक्षित कर्मचारियो द्वारा दिया जाता है जिसका तात्पर्य प्रत्येक प्रशिक्षार्थी के स्वास्थ्य तथा बौद्धिक विकास में सुधार करना होता है।

12. **पुस्तकालय.**—प्रत्येक सस्था में पुस्तकालय उपलब्ध है। वहा कई प्रकार की दैनिक पत्रिकाए भी मगवाई जाती हैं जिन से सस्थाओं के छात्र/कर्मचारी पूरा-2 लाभ उठाते हैं।

13. **औषधालय.**—प्रत्येक संस्था में औषधालय उपलब्ध है जिस में डाक्टर तथा डिस्पैन्सर की व्यवस्था है। इन औषधालयों में प्रत्येक विद्यार्थी तथा कर्मचारी के लिए आवश्यक डाक्टरी सुविधा उपलब्ध है।

14. **छात्रों के लिए मनोरंजन की सुविधाएं**—प्रत्येक सस्था में विद्यार्थियों के लिए मनोरजन क्लब भी है तथा प्रत्येक सस्था में अपना फिल्म प्रोजैक्ट है। छात्रो के मनोरंजन के लिए तथा उन की शिक्षा के लिए रुचि उत्पन्न करने के लिए शिक्षा सम्वन्धित फिल्में दिखाई जाती हैं।

15. **परीक्षायें.**—सस्थावार अन्तिम वर्ष का परीक्षा परिणाम तथा उसमें पढ़ाये जाने वाले कोर्स का अवलोकन अनुवन्ध 'छ' और 'ज' में दिया गया है।

16 **पारितोषिक तथा मैडल.**—राजकीय तकनीकी शिक्षा बोर्ड की अन्तिम वर्ष की परीक्षाओं में प्रथम तथा द्वितीय प्रत्येक कोर्स में आने वाले छात्र को स्वर्ण तथा रजत पदक पारितोषिक के रूप में प्रदान किये जाते हैं। इस के अतिरिक्त सस्थाओ में अच्छे खिलाड़ियों तथा योग्य छात्रो को भी वर्ष के दौरान में कई प्रकार के पारितोपिक वितरण किये जाते हैं ताकि छात्रो की प्रशिक्षण में रुचि वढ़े।

वर्ष 1977–78 में निम्नलिखित छात्रों को परीक्षाओं में प्रथम तथा द्वितीय स्थान प्राप्त करने पर मैडल दिए गए ।

क्रमांक	छात्र का नाम	कोर्स	मैडल/पदक
1	श्री दिलबर सिंह रावत	सिविल	स्वर्ण पदक
2	श्री महेन्द्र पाल गुप्ता	सिविल	रजत
3	श्री सुन्दर सिंह वर्मा	विद्युत	स्वर्ण
4	श्री हरीश कुमार खुराना	विद्युत	रजत
5	श्री अजय बहादुर	मकैनिकल	स्वर्ण
6	श्री गुरमीत सिंह	मकैनिकल	रजत
7	श्री कृष्ण कुमार कालरा	आटोमोबाइल	स्वर्ण
8	श्री उरविन्द पाल सिंह	आटोमोबाईल	रजत
9	श्री विजय कुमार	वाई. एम. सी. ए.	स्वर्ण
10	श्री तेजवीर सिंह	वाई.एम.सी.ए.	रजत
11	श्री राम दास	सर्जीकल इन्सट्रूमैन्टस टैकनोलोजी	स्वर्ण
12	श्री विद्या सागर	,,	रजत
13	श्री विरेन्द्र खोसला	मशीन टूल्ज एण्ड डाईसिंकिंग टैक्नोलोजी	स्वर्ण
14	जय रत्न	,,	रजत
15	कुमारी रविन्द्र पाल कौर	लायब्रेरी साइंस	स्वर्ण

क्रमांक	छात्र का नाम		कोर्स	मैडल/पदक
16	कुमारी सुनीता गेरा	..	लायब्रेरी साइंस	रजत,
17	कुमारी अशोक	..	फार्मेसी	स्वर्ण
18	कुमारी जसबीर कौर	..	,,	रजत
19	कुमारी यश बाला	..	कर्मशियल प्रैक्टिस एण्ड स्टैनोग्राफी	स्वर्ण
20	कुमारी नीलम रानी	..	,,	रजत
21	गवर्धन सिंह	..	जे०टी० एस०	स्वर्ण
22	शक्ति चन्द शर्मा	..	जे० टी० एस०	रजत

17. **सहकारी भंडार**—प्रत्येक बहुतकनीकी में छात्रों को लेखन सामग्री तथा दैनिक जीवन में प्रयोग होने वाली आवश्यक वस्तुएं उचित भाव पर उपलब्ध कराने हेतु सहकारी भंडार है ।

18. **बुक बैंक**:—प्रत्येक बहुतकनीकी संस्था में बुक बैंक खोले गये हैं जिन द्वारा अनुसूचित जाति/पिछड़े वर्ग तथा गरीबो को पाठ्यक्रम सम्बन्धी पुस्तकें मुफ्त दी जाती हैं ताकि छात्रों को इस सम्बन्ध में किसी वित्तीय कठिनाई का सामना न करना पड़े।

19. वर्ष 1977–78 में पाच रेखा प्रदर्शकों/प्रदर्शकों को टी. टी. टी. आई., चण्डीगढ़ में बी कलास तथा एक डिग्री होल्डर "ए" कलास कोर्स के प्रशिक्षण के लिए भेजा गया। यह प्राध्यापक प्रशिक्षण प्राप्ति के बाद छात्रों को उचित तथा आधुनिक ट्रेनिंग प्रदान करते हैं ।

वर्ष 1977–78 में

अनुबन्ध

	अम्बाला				नीलोखेड़ी	
	सिविल	विद्युत्	यान्त्रिक	जोड़	सिविल	विद्युत्
संस्था की प्रवेश क्षमता ..	120	60	60	240	90	75
हिमाचल प्रदेश ..	—	—	1	1	—	—
दक्षिणी तथा दक्षिणी-पूर्व एशिया की जातिया ..	—	—	—	—	2	2
बाहर से आने वाले भारत के वासी शरणार्थी छात्र ..	1	—	—	1	1	—
जम्मू और कश्मीर के वासी ..	—	—	2	2	—	—
जोड़ ..	1	—	3	4	3	2
शेष स्थान ..	119	60	57	236	87	73
अनुसूचित जातियो/कबीलो के छात्रों के लिए 20 प्रतिशत ..	24	12	11	47	17	15
पिछडे वर्ग के छात्रो के लिए 2 प्रतिशत	2	1	1	4	2	1
भूतपूर्व सैनिको के बच्चो के लिए 4 प्रतिशत ..	5	2	3	10	4	3
पुरुष खिलाड़ी/महिलाओ के लिए 1 प्रतिशत ..	2	2	2	6	2	2
हरियाणा के पिछडे क्षेत्र के छात्रो के लिए 6 प्रतिशत ..	7	3	4	14	5	4

संस्थावार प्रवेश क्षमता

'क'

		झज्जर				सिरसा			
यांत्रिक	जोड़	सिविल	विद्युत्	यांत्रिक	जोड़	सिविल	विद्युत्	यांत्रिक	जोड़
75	240	60	30	30	120	60	30	30	120
1	1	—	—	—	—	—	—	—	—
3	7	—	—	—	—	—	—	—	—
—	1	1	—	—	1	1	—	—	1
—	—	—	—	—	—	—	—	—	—
4	9	1	—	—	1	1	—	—	1
71	231	59	30	30	119	59	30	30	119
14	46	12	6	6	24	12	6	6	24
1	4	1	1	1	3	1	1	1	3
3	10	3	1	1	5	3	1	1	5
2	6	—	—	2	2	—	2	—	2
4	13	4	2	2	8	4	2	2	8

वर्ष 1977-78 में संस्थावार प्रवेश क्षमता/प्रवेश हुए छात्रों संबंधी सूचना

अनुबन्ध "ख"

क्रमांक	संस्था का नाम		प्रवेश क्षमता	दाखिल किए गए छात्र
1	राजकीय बहुतकनीकी, अम्बाला शहर	..	240	264
2	हरियाणा बहुतकनीकी, नीलोखेड़ी	..	240	248
3	राजकीय बहुतकनीकी, झज्जर	..	120	137
4	राजकीय बहुतकनीकी, सिरसा	..	120	132
	अराजकीय तकनीकी संस्थाएं			
1	वाई-एम. सी. ए. इंजीनियरिंग संस्था, फरीदाबाद	..	120	119
2	छोटू राम बहुतकनीकी, रोहतक	..	120	160
3	वैश्य तकनीकी संस्था, रोहतक	..	120	192
	कुल जोड़	..	1,180	1,252

वर्ष 1977–78 में प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले छात्रों की संख्या

अनुबन्ध "ग"

संस्था का नाम	छात्रों की संख्या		
	अनुसूचित जाति कबीलें	अन्य	कुल
राजकीय बहुतकनीकी, अम्बाला शहर ..	51	670	721
हरियाणा बहुतकनीकी, नीलोखेड़ी ..	94	632	726
राजकीय बहुतकनीकी, झज्जर ..	62	314	376
राजकीय बहुतकनीकी, सिरसा ..	70	280	350
छोटू राम बहुतकनीकी, रोहतक ..	10	380	390
वैश्य तकनीकी संस्था, रोहतक ..	18	439	457
वाई एम सी.ए. इंजीनियरिंग संस्था, फरीदाबाद	3	406	409
कुल जोड़ .	303	3,121	3,429

1977–78 में कर्मचारी वर्ग की स्थिति

अनुबन्ध "घ"

क्रम संख्या	पद का नाम	अम्बाला शहर		नीलोखेड़ी		झज्जर		सिरसा	
		स्वीकृत	भरे हुए	स्वीकृत	भरे हुए	स्वीकृत	भरे हुए	स्वीकृत	भरे हुए
1	प्रधानाचार्य ..	1	1	1	1	1	1	1	1
2	विभागाध्यक्ष ..	4	4	3	3	3	3	3	3
3	प्राध्यापक ..	18	18	18	15	9	8	9	9
4	कर्मशाला अधीक्षक/फोरमैन आटो ..	2	2	1	1	1	1	1	1
5	अवर प्राध्यापक ..	7	7	7	7	5	5	5	5
6	सीनियर प्रशिक्षक ..	2	1	—	—	—	—	—	—
7	सहायक कर्मशाला अधीक्षक ..	1	1	1	1	—	—	—	—
8	प्रदर्शक ..	14	12	15	9	10	6	10	8

9	रेखा प्रदर्शक (एक आटो)	..	12	12	11	7	7	5	7	5
10	पी. टी. आई.	..	2	2	2	2	1	1	1	1
11	मोटर मैकेनिक	..	1	1	—	—	—	—	—	—
12	विज्ञान प्रशिक्षक	..	1	—	1	1	—	—	—	—
13	प्रशिक्षक आटो	..	2	2	—	—	—	—	—	—
14	कर्मशाला शिक्षक	..	19	19	20	19	13	12	13	12

वर्ष 1977–78 में दी गई छात्रवृत्तियों की स्थिति

अनुबन्ध "ङ"

छात्रवृत्तियो के नाम	राजकीय बहुतकनीकी, अम्बाला शहर		हरियाणा बहुतकनीकी, नीलोखेड़ी		राजकीय बहुतकनीकी, झज्जर		राजकीय बहुतकनीकी, सिरसा	
	संख्या	राशि	संख्या	राशि	संख्या	राशि	संख्या	राशि
हरियाणा सरकार द्वारा योग्यता/योग्यता एव निर्धनता के आधार पर दी गई छात्रवृत्तियां	159	33,091.60	108	12,092.05	107	17,909.70	52	13,644.00
निदेशक, शिक्षा विभाग द्वारा अनुसूचित जातियो तथा पिछड़े वर्ग तथा कम आय के वर्ग के छात्रों को दी गई छात्रवत्तियां	71	55,223.00	102	15,963.75	91	61,736.60	53	53,374.00

जिला सैनिक बोर्ड द्वारा सैनिकों के बच्चों को दी गई छात्रवृत्तियां	19	9,130.00	21	14,318.65	22	10,903.80	10	2,594.00
हरियाणा राज्य कल्याण योजना पिछड़े वर्ग के छात्रों को छात्रवृत्ति दर 25 प्रति मास	—	—	6	1,400.00	29	4,603.20	8	931.00
समस्त जोड़ ..	249	97,449.60	237	43,774.45	249	95,155.30	123	70,543.00

अनुबन्ध "ख"

वर्ष 1977–78 में योजना तथा आयोजना स्कीमों के लिए बजट व्यवस्था तथा व्यय से सम्बन्धित सूचना

(राशि लाख रुपयों में)

क्रमांक	स्कीम तथा लेखा शीर्ष	आयोजना		योजना	
		बजट	व्यय	बजट	व्यय
1.	निदेशालय तकनीकी शिक्षा एफ-1 डायरेक्शन एण्ड ऐडमनिस्ट्रेशन	4,99,480	5,27,971	0,05,000	—
2.	एफ. II ग्राण्ट इन एड—				
	(क) क्षेत्रीय इंजी. कालेज, कुरुक्षेत्र ..	25,67,000	25,67,500	—	—
	(ख) वाई.एम.सी.ए. इंजी. संस्था, फरीदाबाद	14,55,000	14,50,000	—	—
	(ग) छोटू राम बहुतकनीकी, रोहतक तथा वैश्य तकनीकी संस्था, रोहतक ..	—	—	8,00,000	6,67,000
	(घ) फ्रीशिप ..	1,00,000	1,44,996	—	—
	(ङ) बुक बैंक राजकीय बहुतकनीकीयों में स्थापित करना ..	—	—	1,00,000	1,00,000
	(च) छात्रवृतियां ..	—	—	2,40,000	1,35,000

3. एफ.-4 पोलिटेक्निक्स—				
(क) राजकीय बहुतकनीकी, अम्बाला शहर	13,93,450	14,25,674	—	—
(ख) राजकीय बहुतकनीकी, झज्जर ..	8,65,000	8,91,512	3,00,000	2,57,000
(ग) हरियाणा बहुतकनीकी, नीलोखेड़ी ..	15,86,510	13,83,377	—	—
(घ) राजकीय बहुतकनीकी, सिरसा ..	9,64,340	9,40,410	6,25,000	4,97,000
4 407—कैपिटल आउटले आन एजूकेशन आर्ट एण्ड कलचर—				
(क) सरकारी सस्थाओं के विकास हेतु स्टाफ के लिए क्वाटरो के निर्माण हेतु ..	—	—	1,30,000	28,000
5. 287—लेवर एण्ड एम्पलाएमेंट—				
(क) राजकीय महिला तकनीकी सस्थान, अम्बाला शहर ..	—	—	1,00,000	97,000
(ख) राजकीय सर्जीकल उपकरण तकनीकी सस्थान, सोनीपत ..	—	—	1,00,000	76,000
6. 677—ऋण निर्धन तथा आवश्यकता वाले कला तथा साहित्य शिक्षा प्राप्त करने वाले छात्रो को ऋण के रूप में अनुदान देना	4,50,000	4,48,000	—	—
जोड़ ..	98,80,780	95,79,440	24,00,000	18,57,000

अनुबन्ध

समस्त सस्थानुसार राज्य बोर्ड की तृतीय वर्ष डिप्लोमा इंजीनियरिंग की

संस्था का नाम	परीक्षा	छात्र जो परीक्षाओं में बैठे			
		सिविल	विद्युत	यान्त्रिक	आटो
1. राजकीय बहुतकनीकी, अम्बाला शहर	वार्षिक	128	37	49	5
	पूरक	23	10	10	10
2. राजकीय बहुतकनीकी, हमीरपुर (हिमाचल प्रदेश)	वार्षिक	101	14	12	—
	पूरक	17	3	1	—
3. राजकीय बहुतकनीकी, झज्जर ..	वार्षिक	55	22	31	—
	पूरक	19	10	4	—
4. हरियाणा बहुतकनीकी, नीलोखेड़ी	वार्षिक	92	60	50	—
	पूरक	17	20	11	—
5. छोटू राम बहुतकनीकी, रोहतक ..	वार्षिक	64	29	36	—
	पूरक	17	14	8	—
6. वैश्य तकनीकी संस्था, रोहतक	वार्षिक	53	17	20	—
	पूरक	18	5	8	—
7. राजकीय बहुतकनीकी, सिरसा ..	वार्षिक	55	26	29	—
	पूरक	12	12	5	—
8. राजकीय बहुतकनीकी, सुन्दरनगर (हिमाचल प्रदेश)	वार्षिक	102	20	—	6
	पूरक	25	5	—	2

'छ'

परीक्षा मई, 1977 एवं दिसम्बर, 1977 में हुई का परिणाम

छात्र जो पास हुए				पास प्रतिशत			
सिविल	विद्युत	यान्त्रिक	आटो	सिविल	विद्युत	यान्त्रिक	आटो
93	24	36	5	72.7	64.9	73.5	100
11	4	7	1	47.8	40	70	100
87	10	8	—	86.1	71.4	66.8	—
10	2	—	—	58.2	66.7	—	—
38	10	25	—	69.9	45.5	80.6	—
18	3	3	—	94.7	30	75	—
67	34	33	—	72.9	56.7	66	—
10	15	6	—	58.8	75	54.5	—
45	15	21	—	70.3	51.7	58.3	—
11	9	6	—	64.7	64.3	75	—
36	10	6	—	67.9	58.8	30	—
14	5	4	—	77.8	100	50	—
46	9	23	—	83.6	34.6	79.3	—
10	4	4	—	83.3	75	80	—
50	10	—	3	49.1	50	—	50
20	3	—	2	80	60	—	100

अनुबन्ध "ज"

समस्त संस्थानुसार राज्य बोर्ड की डिप्लोमा इजीनियरिंग की मई/जून, 1977 एव नवम्बर/दिसम्बर, 1977 की परीक्षा का परिणाम

सस्था का नाम		वार्षिक मई/जून, 1977			पूरक नवम्बर/दिसम्बर, 1977		
		छात्रों की सख्या	पास हुए छात्र	प्रतिशत	छात्रों की संख्या	पास हुए छात्र	प्रतिशत
1. वाई एम सी.ए. सस्था, फरीदावाद—							
(क) मशीन टूल आप्रेशन तथा मेंटीनैन्स	..	26	24	92.3	2	2	100
(ख) वैलडिंग तथा शीट मैटल टैकनोलोजी	..	2	2	100	—	—	—
(ग) रैफरीईजरेशन तथा एयर कण्डीशनिंग	..	14	14	100	—	—	—
(घ) इलैक्ट्रीकल मशीनज तथा कण्ट्रोल	..	23	15	60.9	9	9	100
(ङ) इलैक्ट्रोनिक्स तथा कण्ट्रोल	..	9	9	100	—	—	—
(च) रेडियो तथा टैलिविज़न	..	7	7	100	—	—	—

2. राजकीय सर्जीकल इन्स्टरूमैंटस टैक्नालोजी संस्थान, सोनीपत—							
(क) सर्जीकल इन्सटरूमैंट टैकनालोजी	..	21	12	57.1	3	1	33.3
(ख) मशीन टूल्ज और डाईसिंकिंग टैक्नालोजी	..	23	11	47.8	14	9	64.3
3. राजकीय महिला तकनीकी संस्थान, अम्बाला शहर—							
(क) फार्मेसी तथा डैसर्ज कोर्स	..	42	15	35.7	24	9	37.5
(ख) लाईब्रेरी साइंस	..	25	21	84	6	4	66.7
(ग) कमर्शियल प्रैक्टिस तथा स्टैनोग्राफी	..	31	15	48.5	14	9	64.3
4. राजकीय जूनियर तकनीकी स्कूल, कांगड़ा —							
जूनियर तकनीकी स्कूल सर्टीफिकेट	..	47	17	36.2	26	4	15.4

4417 DTE—Govt. Press, Chd.